

(c) Government's reaction thereto?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF CIVIL AVIATION (SHRI HARMOHAN DHAWAN): (a) Yes, Sir.

(to) The main issues discussed were:

(i) Shortage of capacity on the domestic sector;

(ii) Facilities to passengers of Indian Airlines for checking in and flight information;

(iii) Gulf crisis and its impact on Air India;

(iv) Improved facilities to international passengers.

(c) The A320 aircraft has been inducted in the domestic sector with effect from 3rd December, 1990 in a phased manner. This will help relieve the shortage of capacity in the domestic sector. The facilities to passengers of Indian Airlines for checking in and flight information are being constantly improved. The facilities at the airports for domestic and international passengers are also being continuously upgraded.

सातवीं योजना अवधि में किया गया ज्वार तथा सौर ऊर्जा का उत्पादन

1206. श्री अजीत जोगी :

कुमारी आलिया :

क्या ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सातवीं योजना अवधि में कुल कितनी मात्रा में ज्वार तथा सौर ऊर्जा का उत्पादन किया गया ;

(ख) सातवीं योजना के अन्तिम वर्ष में ऐसी ऊर्जा का कितना उत्पादन हुआ ; और

(ग) आठवीं योजना अवधि में इस का क्या लक्ष्य निर्धारित किया गया है ?

ऊर्जा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री बावनराव धाकने) : (क) और (ख) सातवीं योजना के दौरान ज्वारीय और सौर स्रोतों से वाणिज्यिक स्तर पर विद्युत ऊर्जा का उत्पादन शुरू नहीं किया गया था। तथापि, सातवीं योजना के दौरान घरेलू और सड़क रोशनी, बैटरी चार्जिंग, जल पंपन तथा सूक्ष्म-तरंग रिपीटर केन्द्रों में प्रयोग की जाने वाली सौर प्रकाशबोल्टीय प्रणालियों और युक्तियों से कुल ऊर्जा का उत्पादन लगभग 11.25 मिलियन यूनिट होने का अनुमान है जिसमें सातवीं योजना के अंतिम वर्ष में उत्पादित 4 मिलियन यूनिट से अधिक विद्युत भी शामिल है। इसके अलावा, सौर तापीय प्रणालियों जैसे सौर कुकरों, सौर जल तापन प्रणालियों के उपयोग से खाना पकाने तथा तापन अनुप्रयोगों के लिए उपयोग किए जा रहे ऊर्जा के अन्य स्रोतों में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है।

(ग) आठवीं योजना को अंतिम रूप नहीं दिया गया है।

व्यावसायिक कालेज खोलना

1207. श्री अजीत जोगी :

कुमारी आलिया :

क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या देश में व्यावसायिक कालिजों के खोले जाने के संबंध में कोई रोक लगाई गई है ;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ; और

(ग) क्या यह रोक उन राज्यों के लिए उठा ली जाएगी जहां व्यावसायिक कालेजों की संख्या अपेक्षाकृत कम है ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री भाग्य गोबर्धन) : (क) से (ग) अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् जनशक्ति-अपेक्षा, उभरते हुए शिक्षा क्षेत्रों के विकास, वित्तीय व्यवहार्यता आदि जैसे अनेक घटकों पर विचार करने के बाद ही नई तकनीकी संस्थाओं

को खोलने से सम्बन्धित प्रस्तावों पर विचार करती है। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् द्वारा नई तकनीकी संस्थाओं के खोलने के प्रस्ताव पर कोई प्रतिबन्ध नहीं लगाया गया है।

शिक्षक शिक्षा कालेजों के लिए केन्द्रीय स्तर पर अभी तक कई सांविधिक प्रतिबन्ध नहीं लगाया गया है।

विधि कालेजों का गठन स्थानीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर संबंधित विश्वविद्यालय के साथ सम्बद्धन सहित किया जाता है।

आठवीं योजना अवधि के दौरान कोयले की मांग तथा उत्पादन

1208. श्री अ. जोगी :

कुमारी आलिया :

क्या ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) आठवीं पंचवर्षीय योजना के अंत तक कोयले की कुल कितनी अनुमानित मांग होगी तथा कितनी मात्रा में उत्पादन होने की संभावना है ;

(ख) क्या इस संबंध में कोई दीर्घ-प्रवधि नीति तैयार की जा चुकी है ;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ; और

(घ) मध्य प्रदेश में स्थित कोयला खानों में इसकी प्रतिशतता क्या होगी ?

ऊर्जा मंत्री (श्री क. पाण सिंह कासबी) (क) से (ग) आठवीं पंचवर्षीय योजना को अंतिम रूप दिया जा रहा है। किंतु योजना आयोग द्वारा गठित आठवीं पंचवर्षीय योजना के लिए कोयला तथा लिग्नाइट से संबंधित कार्यकारी दल ने आठवीं योजना के अंतिम वर्ष (1994-95) तक कच्चे कोयले की 315 मि० टन मांग होने का अनुमान लगाया है। कार्यकारी दल ने वर्ष 1994-95 तक 310.31 मि० टन कोयला उत्पादन योजना का सुझाव दिया है और मांग तथा उपलब्धता के बीच का अंतराल को

खान-मुहाना भंडारों तथा इस्पात भंडारों के लिए अपेक्षित कोयले को कोयले के आयात द्वारा पूरा किए जाने का प्रस्ताव है। उत्पादन में वृद्धि निम्नलिखित के जरिए प्राप्त किया जाएगा—उत्पादकता, विद्यमान खानों तथा चालू परियोजनाओं के उत्पादन द्वारा और नई परियोजनाओं का विकास करके।

(घ) मध्य प्रदेश में स्थित कोयला क्षेत्रों से वर्ष 1994-95 के दौरान कोयले का उत्पादन, अखिल भारतीय उत्पादन के लगभग 27% प्राप्त होने की संभावना है।

केन्द्रीय विद्यालय संगठन के क्षेत्रीय कार्यालयों का खोला जाना

1209. श्री अजीत जोगी :

कुमारी आलिया :

क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का केन्द्रीय विद्यालय संगठन के कुछ और क्षेत्रीय कार्यालय खोलने का विचार है ;

(ख) यदि हां, तो ये कार्यालय कब तक खोले जायेंगे ;

(ग) क्या मध्य प्रदेश में भी एक क्षेत्रीय कार्यालय खोले जाने के लिए कोई मांग की गई है ; और

(घ) यदि हां, तो यह कार्यालय वहां पर कब तक खोले जाने की संभावना है ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री भागेय गोगधन) :
(क) जी, नहीं।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।

(ग) और (घ) मध्य प्रदेश में एक नया क्षेत्रीय कार्यालय खोलने के सुझाव की जांच की गई थी। परन्तु केन्द्रीय विद्यालय संगठन ने कोई भी नया क्षेत्रीय विद्यालय नहीं खोलने का निश्चय किया है।